

ZICI YIQU RUSHIYAN



《王三堂日记》『如是』系列

# 字词义趣 如是演

王三堂◎著



河北出版传媒集团  
燕山文艺出版社

非外借



《王三堂日记》『如是』系列

# 字词义趣 如是演

王三堂◎著



河北出版传媒集团  
燕山出版社

图书在版编目 ( CIP ) 数据

字词义趣如是演 / 王三堂著. —石家庄:花山文艺出版社, 2017

(《王三堂日记》“如是”系列)

ISBN 978-7-5511-3036-3

I. ①字… II. ①王… III. ①汉语—文集  
IV. ①H1-53

中国版本图书馆CIP数据核字(2016)第269408号

丛 书 名:《王三堂日记》“如是”系列

书 名: **字词义趣如是演**

著 者:王三堂

---

责任编辑:张采鑫

责任校对:李 鸥

封面设计:景 轩

美术编辑:胡彤亮

出版发行:花山文艺出版社(邮政编码:050061)

(河北省石家庄市友谊北大街330号)

销售热线:0311-88643221/29/31/32/26

传 真:0311-88643225

印 刷:大厂回族自治县正兴印务有限公司

经 销:新华书店

开 本:700×1000 1/16

印 张:11.5

字 数:120千字

版 次:2016年11月第1版

2016年11月第1次印刷

书 号:ISBN 978-7-5511-3036-3

定 价:26.00元

---

(版权所有 翻印必究·印装有误 负责调换)

## 写在前面的话

感谢您与此书的相遇，与书相遇就是与作者相遇。漫漫书海，芸芸众生，你我的相遇是多么难得的机缘！既然有缘，就请允许我向您说几句话。

首先介绍一下我自己。我叫王三堂，是一个从革命老区平山县大山里走出来的人。我从最基层的村民兵连长、指导员做起，在村、乡、县、市四级党政正副职岗位上几乎都工作过，还曾有过县林业部门、省委组织部门的工作经历；2013年初，由秦皇岛市委书记调任河北省政协工作。40年来可谓风风雨雨，但也丰富多彩；遑论有何建树，但却问心无愧。我从另一个角度作个自画像吧：我是一个极想好好做人、好好做事、好好做学问又感到做得不够好，但会一直毫不懈怠地做到底的人。

下面介绍一下《王三堂日记》。我从小就有写日记的习惯，但这次辑印的日记是1999年以来写的。我的日记可谓：既有工作体会，又有生活感悟；既有读书笔记，又有哲思小品；既有纪实之笔，又有诗文篇章；既有“庄”的话题，又有“谑”的意趣，甚或梦中境象。概之，就是把多年来所

见、所闻、所思、所想、所读、所为，从心所欲、信手拈来择其要者录之是也，大体上反映了我工作、生活、读书、修养的心迹历程。

接下来再介绍一下这本《字词义趣如是演》。因我的日记分量较大，为便于自己查阅和读者阅读，我将其分成十多个专题，命名为“如是”系列，此书即是其中的一本。

我对博大精深的汉字情有独钟，喜欢购买、收藏和阅读有关书籍，更喜欢对汉字中蕴涵着的哲理、意蕴进行省思，于是积累下来就有了这本书。

在此我对书名做些说明。书名所言“字词”，有些虽然在严格意义上讲不是“字词”，但亦不妨做字词理解；所言“义趣”，即指不是严格意义上的字义解读或曰“考据”，而是不仅阐释其义，更着重其“意趣”的引申和发掘；所言“如是”，既指“如我之是”意，更含“合情合理”意；至于“演”嘛，那就有点儿演义甚或“戏解”的成分了。可谓：“阐演字词义趣，抒发人生感悟”也！对字词如此解读，也算是个尝试吧。书中内容均系我的感悟和思考，力求发人所未发，故对于其他人讲过的内容，我力求不再重复。

此书的面世，我有些惴惴不安。如果您从书中，哪怕受到了一点儿启发或者博得了您一丝会心的微笑，我也会由衷地感到欣慰。

如果您对我其他的作品内容感兴趣，敬请阅读我另外的“如是”系列与《王三堂日记》。

王三堂

## 哲思禅语铸大书

——读《王三堂日记》“如是”系列

为人为文，最美的就是有一颗平常之心，或曰平民心态，挚友三堂就具有这种素质。他作为党的领导干部，勤奋笔耕，从未懈怠，且好学不倦，长于思考。每每有新的发现，新的创意，诉诸笔端，则摈弃华丽、浮躁的修辞技巧，而且绝不故作深沉或附庸风雅，更无一般文人的酸腐气。其文风磊落，一如他的为人一样，质朴，自然，洒脱，凝重。其吟诗作文，不为传经布道，不为哗众取宠，唯求坦露心迹，自娱自勉，从生活中的寻常事物，往往能悟出一些哲理或禅机，令人豁然开朗，会心一笑，并从细微处观察事物，感知人间冷暖。因之他的诗文总能以独特的视角切入主题，以犀利的文笔写出警世醒世之言，以尖锐的目光发现朴素的真理，其行文风格自会石破天惊，自成一家之言。有论者说，王三堂的思维能打破常规，故被人称为“另类思维”，以此彰显出强烈的个性色彩。迄今为止，王三堂的诗文数量之多，蔚为大观，有《王三堂日记》“如是”系列为证。其中或吟诗，或杂感，或小品，或思想火花，俱是有感而发，自鸣天籁。

时光流转。王三堂从政以来，已历经四十载风雨沧桑。他

始终与书香为伴，与诗文结缘，个中苦乐，惟君自知。他的诗文总能给人以启迪与顿悟。毫无疑问，“如是”系列的审美价值是不言而喻的，之所以没有过多地品评其中的诸多佳作，乃因其太厚重了。乱花迷眼，美不胜收，惟慢读细品才能领略其诗其文的博大精深和无穷韵味。媒体习惯于将领导干部中的文人称之为“官员作家”或“官员诗人”，这未必恰当。你看，王三堂的为人作文，哪里有一点儿官气，他痛斥趋炎附势的马屁精，他讥讽曲意逢迎的势利小人，他对社会丑恶现象横眉冷对……呈现在诗文中的作者自己，焕发出一身正气的人格力量，这是王三堂诗文的风骨和本色所在。

综合鉴赏王三堂的“如是”系列，发现其文是真正意义上的“文”，其诗是真正意义上的“诗”，绝无为文造情无病呻吟的苍白之作。他的诗文以小见大，视域宽广，笔锋所向往往切中时弊，而且具有强烈的社会批判意识和人生忧患意识。那无处不在的理趣、情趣、诗趣融化在作品的意蕴之中，形成一种极为鲜明的艺术特色。

李中贤

# 目 录

## A

|           |   |
|-----------|---|
| 安·····    | 1 |
| 安身立命····· | 1 |
| 安慰·····   | 2 |
| 傲慢无礼····· | 2 |

## B

|         |   |
|---------|---|
| 败·····  | 3 |
| 办法····· | 3 |
| 办理····· | 3 |
| 保·····  | 3 |
| 保重····· | 3 |
| 报复····· | 4 |
| 报应····· | 4 |
| 抱负····· | 4 |
| 悲壮····· | 4 |

|                |   |
|----------------|---|
| 本·····         | 5 |
| 本事·····        | 5 |
| 贬·····         | 5 |
| 变化·····        | 6 |
| 别忘乎所以·····     | 6 |
| 不可无女，不可多女····· | 7 |
| 不可以“完真”·····   | 7 |
| 部门与单位·····     | 7 |

## C

|             |   |
|-------------|---|
| “才”及其他····· | 8 |
| 才与财·····    | 8 |
| 残忍·····     | 9 |
| 操守·····     | 9 |
| 忏悔·····     | 9 |
| 唱高调·····    | 9 |
| 炒·····      | 9 |

|             |    |
|-------------|----|
| 嗔           | 9  |
| 成见          | 10 |
| 成人之美        | 10 |
| 秤           | 11 |
| 吃亏、沾光       | 11 |
| 吃透          | 11 |
| 痴           | 11 |
| 耻           | 12 |
| 宠           | 12 |
| 仇           | 12 |
| 触目惊心        | 12 |
| 出神入化        | 12 |
| 出人头地        | 13 |
| 除           | 13 |
| 传           | 13 |
| 传染          | 13 |
| 闯           | 13 |
| 吹           | 14 |
| 慈祥          | 14 |
| 慈、悲         | 14 |
| 从“伴”字说开去    | 14 |
| 从干部工作上的几个词  |    |
| 想到的         | 15 |
| 从成语悟哲理      | 16 |
| 从词语看追求      | 17 |
| 从几个职务名称想到的  | 17 |
| 从女字旁看古代社会妇女 |    |
| 的地位         | 19 |

|          |    |
|----------|----|
| 从字词看重男轻女 | 19 |
| 聪明       | 20 |
| 凑        | 21 |
| 挫        | 21 |
| 错        | 21 |
| 措施       | 21 |

— (D) —

|         |    |
|---------|----|
| 大家      | 22 |
| 大、太、天、夫 | 22 |
| 大小多少    | 23 |
| 大无畏     | 23 |
| 胆小鬼     | 23 |
| 淡       | 23 |
| “蛋”很重要  | 23 |
| 倒霉      | 24 |
| 道       | 24 |
| “道德”我见  | 24 |
| 道理      | 25 |
| 德高望重    | 25 |
| 德行、品行   | 25 |
| 德与得     | 26 |
| 敌       | 26 |
| 底事为妙    | 26 |
| 地地道道    | 27 |
| 地位      | 27 |
| 顶天立地    | 27 |

|              |    |
|--------------|----|
| 抖·····       | 27 |
| 对不起、对不住····· | 27 |
| 对象·····      | 28 |

— (E) —

|            |    |
|------------|----|
| 恶心、心恶····· | 29 |
| 饿·····     | 29 |

— (F) —

|               |    |
|---------------|----|
| 发明与无明·····    | 30 |
| 法儿和法·····     | 30 |
| 反馈·····       | 31 |
| 凡人·····       | 31 |
| 方便·····       | 31 |
| 仿佛·····       | 32 |
| “放下屠刀，立地成佛”   |    |
| 我见·····       | 32 |
| 匪·····        | 32 |
| 坟·····        | 32 |
| 奋·····        | 32 |
| 忿·····        | 33 |
| 风度、气质与风气····· | 33 |
| 风云人物·····     | 33 |
| 夫·····        | 33 |
| 伏·····        | 34 |
| 服从·····       | 34 |

|            |    |
|------------|----|
| 福气·····    | 34 |
| 辅佐与保佑····· | 34 |
| 腐败·····    | 35 |
| 负·····     | 35 |
| 富·····     | 35 |

— (G) —

|                  |    |
|------------------|----|
| 感谢·····          | 36 |
| 高深·····          | 36 |
| 搞·····           | 36 |
| 歌曲、乐曲、曲调·····    | 36 |
| 歌舞升平·····        | 37 |
| 合(gě)、升、斗、石(dàn) |    |
| ·····            | 37 |
| 各得其所·····        | 37 |
| 耕读·····          | 37 |
| 公·····           | 38 |
| 公与私·····         | 38 |
| 功·····           | 38 |
| 功德无量·····        | 38 |
| 工夫与功夫·····       | 39 |
| 孤立、独立·····       | 39 |
| 故事·····          | 39 |
| 刮、乱·····         | 39 |
| 怪·····           | 40 |
| 关键在“运”·····      | 40 |
| 关于“交”的思考·····    | 40 |

|                       |    |
|-----------------------|----|
| 关于“理事” .....          | 41 |
| 关于“人争一口气，佛争一炷香” ..... | 41 |
| 关于唯物 .....            | 42 |
| 关于“中” .....           | 42 |
| 观 .....               | 43 |
| 观点 .....              | 44 |
| 官 .....               | 44 |
| 官人 .....              | 44 |
| 馆 .....               | 44 |
| 贯彻落实 .....            | 44 |
| 光阴 .....              | 45 |
| 鬼 .....               | 45 |
| 鬼混 .....              | 45 |
| 贵 .....               | 46 |
| 跪 .....               | 46 |
| 果 .....               | 46 |
| 果断 .....              | 46 |
| 过错 .....              | 46 |

— (H) —

|            |    |
|------------|----|
| 孩 .....    | 47 |
| 海 .....    | 47 |
| 害 .....    | 47 |
| 好景不长 ..... | 48 |
| 好难 .....   | 48 |
| 合作 .....   | 48 |

|                |    |
|----------------|----|
| 和平、战争 .....    | 49 |
| 和尚 .....       | 49 |
| 核心、中心、忠 .....  | 49 |
| 贺 .....        | 49 |
| 恨铁不成钢 .....    | 49 |
| 横加指责 .....     | 49 |
| 厚道 .....       | 50 |
| 護、护 .....      | 50 |
| 坏蛋 .....       | 50 |
| 恢 .....        | 50 |
| 回天无力 .....     | 50 |
| 回头是岸 .....     | 51 |
| 汇报 .....       | 51 |
| 会议 .....       | 51 |
| 荟萃 .....       | 51 |
| 悔 .....        | 51 |
| 活泼、潇洒、污染 ..... | 52 |
| 伙伴、伙计 .....    | 52 |
| 祸 .....        | 52 |
| 豁 .....        | 52 |
| 醜 .....        | 52 |
| 混 .....        | 53 |

— (J) —

|          |    |
|----------|----|
| 吉利 ..... | 54 |
| 极 .....  | 54 |
| 积累 ..... | 54 |

|             |    |
|-------------|----|
| 记           | 54 |
| 忌           | 54 |
| 嫉妒          | 55 |
| 绩           | 55 |
| 加           | 55 |
| 家           | 55 |
| 尖           | 55 |
| 检点          | 56 |
| 见           | 56 |
| 贱           | 56 |
| 狡猾、滑头       | 56 |
| 教           | 56 |
| 节           | 57 |
| 劫           | 57 |
| 拮据          | 57 |
| 结论          | 57 |
| 戒指、项链及其他    | 58 |
| 进步          | 58 |
| 经风雨、见世面     | 58 |
| 经商、从政、习文、练武 | 58 |
| 精           | 59 |
| 警           | 59 |
| 净           | 59 |
| 敬           | 59 |
| 静           | 59 |
| 窘           | 60 |
| 咎           | 60 |
| 九死一生        | 60 |

|       |    |
|-------|----|
| 救     | 60 |
| 绝     | 60 |
| 绝对    | 60 |
| 聚精会神  | 61 |
| 君子与小人 | 61 |

— (K) —

|          |    |
|----------|----|
| 看起·看不起   | 62 |
| 考据、义理、词章 | 62 |
| 靠        | 62 |
| 客气       | 63 |
| 课        | 63 |
| 空        | 63 |
| 空空如也     | 63 |
| 口生祸福     | 63 |
| 苦彻成珠     | 63 |
| 夸        | 64 |
| 快乐、快活    | 64 |
| 狂        | 64 |
| 愧疚       | 64 |
| 困        | 64 |

— (L) —

|    |    |
|----|----|
| 懒  | 65 |
| 老练 | 65 |
| 牢骚 | 65 |

|             |    |
|-------------|----|
| 乐观、悲观       | 65 |
| 乐天          | 66 |
| 冷眼观人        | 66 |
| 理           | 66 |
| 理由          | 67 |
| 礼           | 67 |
| 礼仪          | 67 |
| 厉害          | 67 |
| 利害          | 67 |
| 利弊得失        | 68 |
| 练达          | 68 |
| 凉、冷、冻、温、热、烫 | 68 |
| “聊天”及其他     | 68 |
| 了不起、了不得     | 69 |
| 了解          | 69 |
| 灵枢          | 69 |
| 领导（导）       | 70 |
| 令           | 70 |
| 龙与虎         | 70 |
| 驴           | 70 |
| 骡           | 71 |
| 露脸与现眼       | 71 |
| 乱套          | 71 |
| 劣           | 71 |

— (M) —

|   |    |
|---|----|
| 骂 | 72 |
|---|----|

|        |    |
|--------|----|
| 买东西    | 72 |
| 買賣与买卖  | 72 |
| 埋怨     | 73 |
| 冒失、冒险  | 73 |
| 没人名“王” | 73 |
| 昧      | 73 |
| 魅      | 74 |
| 门      | 74 |
| 迷悟     | 74 |
| 迷信     | 74 |
| 秘书     | 75 |
| 密      | 75 |
| 面善     | 75 |
| 名不虚传   | 75 |
| 名利     | 75 |
| 名人与名人  | 76 |
| 明白     | 76 |
| 明智     | 76 |
| 命运     | 77 |
| 模范、模特  | 77 |
| 磨炼、历练  | 77 |
| 没落     | 78 |
| 目空一切   | 78 |

— (N) —

|             |    |
|-------------|----|
| 难能可贵        | 79 |
| 男人、女人，如狼、似虎 | 80 |

|      |    |
|------|----|
| 脑、恼  | 80 |
| 内容   | 80 |
| 能力   | 80 |
| 能耐   | 81 |
| 能挣会花 | 81 |
| 念头   | 81 |
| 娘、妈  | 81 |
| 牛气   | 82 |
| 努、怒  | 82 |

— P —

|      |    |
|------|----|
| 怕    | 83 |
| 拍    | 83 |
| 叛    | 83 |
| 判    | 83 |
| 跑    | 84 |
| 朋友   | 84 |
| 捧场   | 84 |
| 疲    | 84 |
| 披露   | 84 |
| 骗    | 84 |
| 贫    | 85 |
| 贫嘴   | 85 |
| 品字三口 | 85 |
| 平易近人 | 85 |
| 平常   | 85 |
| 评价   | 86 |

|      |    |
|------|----|
| 婆婆妈妈 | 86 |
| 迫    | 86 |
| 破    | 86 |

— Q —

|            |    |
|------------|----|
| 七与八        | 87 |
| 欺          | 87 |
| 旗、鼓        | 87 |
| 起          | 88 |
| 企业         | 88 |
| 气急败坏       | 88 |
| 气、氣、炁      | 88 |
| 谦          | 89 |
| 钱          | 89 |
| 前途         | 89 |
| 强、大        | 90 |
| 巧夺天工       | 90 |
| 钦          | 90 |
| 情操         | 90 |
| 情与理        | 90 |
| 清          | 91 |
| 穷          | 91 |
| 秋后、午门、网开一面 | 91 |
| 囚          | 92 |
| 屈服与欺负      | 92 |
| 屈辱、污辱      | 92 |
| 全          | 92 |

群..... 93

— (R) —

人材与人才..... 94

人、从、众..... 94

人犯王法身无主..... 95

人杰地灵..... 95

人口..... 95

人类..... 96

人事..... 96

人民币..... 96

人、仁、忍、韧..... 96

忍..... 97

容易..... 97

肉..... 97

如何能了之..... 97

儒、仙、佛..... 97

入脑入心..... 98

— (S) —

丧心病狂..... 99

刹..... 99

善解人意..... 99

上、下..... 99

少见多怪..... 100

奢侈..... 100

蛇..... 100

舍予是舒..... 100

身、体..... 101

绅士..... 101

神出鬼没..... 101

神仙..... 102

慎..... 102

生平..... 102

生意..... 102

昇..... 103

聖..... 103

实在..... 103

拾、十..... 103

士与仕..... 104

識、识..... 104

势利眼..... 104

事与愿违..... 104

逝世、去世..... 104

手忙脚乱..... 105

手眼通天..... 105

瘦..... 105

书香..... 106

舒坦..... 106

痊..... 106

水到渠成..... 106

水平..... 107

顺理成章..... 107

顺其自然..... 108

|           |     |
|-----------|-----|
| 说·····    | 108 |
| 说风道气····· | 108 |
| 说一道二····· | 108 |
| 说“正”····· | 109 |
| 思路·····   | 110 |
| 死去活来····· | 110 |
| 死心踏地····· | 111 |
| 送·····    | 111 |
| 俗、仙·····  | 111 |

— (T) —

|             |     |
|-------------|-----|
| 讨·····      | 112 |
| 太·····      | 112 |
| 贪·····      | 112 |
| 特权、人权·····  | 112 |
| 疼爱·····     | 113 |
| 体·····      | 113 |
| 体会·····     | 113 |
| 天机不可泄露····· | 113 |
| 天价·····     | 113 |
| 天良·····     | 114 |
| 天平·····     | 114 |
| 天真·····     | 114 |
| 甜头、苦头·····  | 114 |
| 挑战·····     | 114 |
| 挺好·····     | 115 |
| 童·····      | 115 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 同、大同、求同存异····· | 115 |
| 痛快·····        | 115 |
| 痛下决心·····      | 116 |
| 徒·····         | 116 |
| 团结·····        | 116 |
| 妥·····         | 116 |
| 驼·····         | 117 |
| 鸵·····         | 117 |
| 拓·····         | 117 |

— (W) —

|               |     |
|---------------|-----|
| 歪打正着·····     | 118 |
| 完·····        | 118 |
| 玩·····        | 119 |
| 王侯·····       | 119 |
| 网·····        | 119 |
| 望而生畏·····     | 119 |
| 微软·····       | 120 |
| 委员、常委·····    | 120 |
| 伪与真·····      | 120 |
| 位·····        | 120 |
| 文化——以文化之····· | 120 |
| 文化与武装·····    | 121 |
| 文明·····       | 121 |
| 吻·····        | 121 |
| 稳·····        | 121 |
| 稳扎稳打·····     | 122 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 问候·····       | 122 |
| 我、你、他·····    | 122 |
| 窝囊·····       | 123 |
| 污·····        | 123 |
| 无法无天·····     | 123 |
| 无可救药·····     | 123 |
| 侮·····        | 123 |
| 误·····        | 124 |
| 悟空、悟能、悟净····· | 124 |



|               |     |
|---------------|-----|
| 析“干活”·····    | 125 |
| 析“性”·····     | 125 |
| 牺牲·····       | 126 |
| 息·····        | 126 |
| 喜、悦、樂、笑·····  | 126 |
| 戏言“修养”·····   | 127 |
| 系统·····       | 127 |
| 细作·····       | 128 |
| 贤、能·····      | 128 |
| 显·····        | 128 |
| 显耀·····       | 128 |
| 乡亲·····       | 128 |
| 相信·····       | 128 |
| 相依为命·····     | 129 |
| 想象·····       | 129 |
| 小人、大人、巨人····· | 129 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 孝·····       | 130 |
| 协调·····      | 130 |
| 心安理得·····    | 130 |
| 心得·····      | 131 |
| 心地·····      | 131 |
| 心肝宝贝·····    | 131 |
| 心灵等·····     | 131 |
| 心明眼亮·····    | 132 |
| 心眼·····      | 132 |
| 心悦诚服·····    | 132 |
| 新娘·····      | 132 |
| 信服·····      | 133 |
| 信马由缰·····    | 133 |
| 信仰·····      | 133 |
| 星·····       | 133 |
| 行止·····      | 133 |
| 形势·····      | 134 |
| 省，反省·····    | 134 |
| 幸亏·····      | 135 |
| 性命·····      | 135 |
| 雄性和雄心·····   | 135 |
| 胸有成竹·····    | 135 |
| 休闲、旅游·····   | 136 |
| 秀·····       | 136 |
| 修、齐、治、平····· | 136 |
| 选·····       | 136 |
| 学生·····      | 136 |
| 学术·····      | 137 |